



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 211]
No. 211]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 23, 1998/आश्विन 1, 1920
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 23, 1998/ASVINA 1, 1920

वाणिज्य मंत्रालय
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1998

प्रारंभिक जांच-परिणाम

विषय : लोवास्टेटिन के आयातों के बारे में पाटनरोधी-जांच—प्रारंभिक जांच-परिणाम

11/1/ए डी डी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 :—

क. प्रक्रिया :

जांच के संबंध में नीचे बताई गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को नियमों के अन्तर्गत मैसर्स आर्टेमिस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड से घरेलू उद्योग की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद चीन पी. आर. कहा जाएगा) के मूल के या वहां से निर्यातित लोवास्टेटिन के पाटन का आरोप लगाया गया है;
2. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाण के आधार पर चीन पी. आर. से लोवास्टेटिन के आयातों के खिलाफ जांच प्रारम्भ करने का निर्णय लिया। नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले प्राधिकारी ने पाटन-आरोप प्राप्त होने के बारे में चीन पी. आर. के दूतावास को सूचित किया;
3. प्राधिकारी ने 22 दिसंबर, 1997 को सार्वजनिक सूचना जारी की जिसका प्रकाशन भारत के असाधारण राजपत्र में हुआ, जिसमें चीन के उद्योग वाले या वहां से निर्यात किए गए लोवास्टेटिन, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2941.90 के अन्तर्गत वर्गीकृत है, के आयात के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू की गई;
4. प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों (जिनका विस्तृत विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया) और उद्योग संघों को सार्वजनिक सूचना की प्रति अग्रेषित की और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें अपने विचार व्यक्त करने के लिए अवसर दिया;
5. प्राधिकारी ने भारत में लोवास्टेटिन के ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति अग्रेषित की और पत्र की प्राप्ति के चालीस दिनों के अन्दर अपने विचार व्यक्त करने के लिए उन्हें सलाह दी;

6. जांच की अवधियों सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान लोवास्टेटिन के आयात के विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (सी. बी. ई. सी.) से अनुरोध किया गया;
7. प्राधिकारी ने ऊपर के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातक और चीन पी. आर. के दूतावास को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई;
8. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार चीन पी. आर. के ज्ञात निर्यातक, मैसर्स वेनझाऊ कानलॉग फार्मसी कंपनी लिमिटेड, चीन को संबद्ध सूचना प्रस्तुत करने हेतु प्रश्नावली भेजी। किन्तु, चीन के किसी निर्यातक से सूचना प्राप्त नहीं हुई;
9. नई दिल्ली में उक्त देश के दूतावास को जांच शुरू करने के बारे में नियम 6(2) के अनुसार इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया कि निर्धारित समयावधि में प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। ज्ञात निर्यातक/उत्पादक की सूची के साथ पत्र, याचिका और निर्यातक को भेजी गई प्रश्नावली की एक प्रति भी दूतावास को भेजी गई;
10. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में लोवास्टेटिन के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई :

- (क) मैसर्स सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुम्बई
- (ख) मैसर्स टोरेन्ट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद
- (ग) मैसर्स ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, मुम्बई
- (घ) मैसर्स माइक्रो लैब्स लिमिटेड, मुम्बई
- (ङ) मैसर्स कैडिला हेल्थकेयर प्रा. लि., अहमदाबाद
- (च) मैसर्स सरल (इंडिया) लिमिटेड, नवी मुम्बई
- (छ) मैसर्स चोकहाट लिमिटेड, मुम्बई
- (ज) मैसर्स इंटोस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद
- (झ) मैसर्स ज्यू क्रॉस लेब्स लिमिटेड, मुम्बई
- (ञ) मैसर्स मेडले लैब्स प्रा. लि., मुम्बई

किन्तु, किसी आयातक द्वारा कोई सूचना दायर नहीं की गई।

11. क्षति के बारे में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई, जो प्राप्त हो गई;
12. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के गैर-गोपनीय रूपांतर को सार्वजनिक फाइल के रूप में इच्छुक पत्रों द्वारा जांच के लिए खुला रखा;
13. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा-सिद्धांतों (जी. ए. ए. पी.) और याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में उक्त वस्तुओं के निर्माण और बिक्री की लागत और इष्टतम उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए लागत जांच भी की गई जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए क्या पाटन सीमा से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना पर्याप्त होगा;
14. यह जांच 1 जुलाई, 1996 से 30 जून, 1997 तक की अवधि के लिए की गई।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में निम्नलिखित मुद्दों को उठाया है :

(1) पाटन के संबंध में

- (क) विश्व में लोवास्टेटिन के केवल तीन उत्पादक हैं।
- (ख) पाटन चीन जनवादी गणराज्य में लोवास्टेटिन के उत्पादक द्वारा किया जा रहा है। चीनी उत्पादक भारतीय बाजार में पैठ बनाने के लिए सस्ती कीमतों पर सामग्री बेच रहा है।
- (ग) चीनी उत्पादक 6000 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. की दर से विभिन्न यूरोपीय देशों को लोवास्टेटिन का निर्यात कर रहा है जबकि वही लोवास्टेटिन भारत को 3100 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. से 4100 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. तक की कीमतों के बीच निर्यात किया जा रहा है।
- (घ) चीनी उत्पादक भारतीय बाजार में लगातार कीमतों को कम कर रहा है जबकि यूरोपीय बाजार में कीमत को बनाए रूपा है। भारतीय बाजार में कीमतें लगातार कम हुई हैं जैसा कि निम्नलिखित से स्पष्ट है। चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों द्वारा पेश की गई कीमतों का उत्पादन की लागत से कोई संबंध नहीं है।

भाव की तारीख	उद्धृत कीमत (अमरीकी डालर प्र.मी.टन)	कीमत आधार
26-11-96	4300	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ स्थान पर एल/सी
27-11-96	3900	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ, स्थान पर एल/सी
30-12-96	4100	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ, स्थान पर एल/सी

04-03-97	3000	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ, स्थान पर एल/सी 90 दिन
28-05-97	3000	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ, स्थान पर एल/सी
24-06-97	2490	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ, स्थान पर एल/सी 90 दिन डी/ए
13-08-97	2400	हवाई मार्ग द्वारा सीआईएफ, स्थान पर एल/सी 90 दिन

उपर्युक्त से इस बात की पुष्टि होती है कि लोवास्टेटिन का भारत में पाटन किया जा रहा है।

(2) क्षति के संबंध में

याचिकाकर्ता को क्षति हुई है, जैसा कि निम्नलिखित से पता चलता है :

- (क) चीन जनवादी गणराज्य से लोवास्टेटिन के आयात 1995-96 तक शुन्य से बढ़कर 1996-97 में 1400 कि.ग्रा. तथा 1997-98 में बढ़कर 525 कि.ग्रा. (अप्रैल-जुलाई, 1996) तक हो गए।
- (ख) यद्यपि भारत में लोवास्टेटिन की खपत में वर्षों से वृद्धि हो रही है तथापि याचिकाकर्ता को अपने उत्पादन में कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा।
- (ग) आर्टीमिस को चीन निर्यातक द्वारा कीमतों में की गयी कमी को देखते हुए भारतीय बाजार में अपनी कीमतों को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा।
- (घ) चीनी उत्पादक अपना एकाधिकार स्थापित करने के लिए आर्टीमिस को व्यापार से बाहर रखने की कोशिश कर रहा है।
- (ङ) याचिकाकर्ता की बिक्री में अत्यधिक कमी आई है।
- (च) याचिकाकर्ता की बिक्री कीमतें उत्पादन की लागत पर निर्भर करती हैं इसके बावजूद याचिकाकर्ता चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई कीमतों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में समर्थ नहीं है। याचिकाकर्ता की बिक्री कीमतों में ये शामिल हैं :—कच्ची सामग्रियों, अन्य निविष्टियों तथा तैयार वस्तुओं पर बिक्री कर, जबकि चीन जनवादी गणराज्य से आयातों पर यह लागत प्रभावी नहीं है।
- (छ) याचिकाकर्ता पूंजी पर किसी भी आय को अर्जित करने में समर्थ नहीं रहा है।

ग. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी हितबद्ध पार्टी ने जांच शुरुआत संबंधी नोटिस का उत्तर नहीं दिया है और न ही किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने इस पर अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की है।

घ. उठाए गए मुद्दों की जांच

4. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और उन पर विचार किया गया और इसके बाद उचित स्थानों पर उन पर की गई है।

ङ. विचाराधीन उत्पाद तथा जांच का क्षेत्र

5. मौजूदा जांच में विचारित उत्पाद लोवास्टेटिन है, जो चीन जनवादी गणराज्य के मूल का है अथवा वहां से निर्यात किया गया है। लोवास्टेटिन बल्क औषधि है और इसका प्रयोग कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने, कोरोनरी हृदय रोग तथा हृदय गति रुकने के खतरे को कम करने के लिए किया जाता है। लोवास्टेटिन के स्थान पर किसी अन्य सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

6. लोवास्टेटिन का उत्पादन क्षयवर्धन प्रक्रिया से किया जाता है। इसके उत्पादन में प्रयोग की जाने वाली प्रमुख निविष्टियां लैक्टोज, डैक्मट्रोज, इथिल एसोटेट तथा योस्ट एक्सट्रैक्ट लिक्विड हैं।

7. लोवास्टेटिन को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2941.90 के अन्तर्गत तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वर्गीकरण के 2941.90.00 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, विनिर्माण प्रक्रिया कार्य और प्रयोग तथा उसका टैरिफ वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी प्रकार के मौजूदा जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

(च) समान वस्तुएं

8. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित लोवास्टेटिन की विशेषताएं चीन जनवादी गणराज्य से आयातित लोवास्टेटिन के काफी मिलती-जुलती हैं और इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जाता है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने याचिकाकर्ता के दावे का खण्डन नहीं किया

है। यह विश्लेषण करने की दृष्टि से कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लोवास्टेटिन चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित लोवास्टेटिन के समान वस्तु है, भौतिक विशेषताओं (आकार, रसायनिक संरचना, कच्ची सामग्री) जैसी विशेषताओं विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी कार्य और उपयोग, उत्पादन विनिर्देशन, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन तथा सामानों के टैरिफ वर्गीकरण पर विचार किया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लोवास्टेटिन की विशेषताएं चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लोवास्टेटिन से काफी मिलती-जुलती हैं। अतः प्राधिकारी का मानना है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित लोवास्टेटिन नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर चीन जनवादी गणराज्य से आयातित लोवास्टेटिन के समान वस्तु है।

छ. घरेलू उद्योग

9. याचिका मैसर्स अर्टेमिस फार्मास्यूटिकल्स लि०, जीदीमाला हैदराबाद-500082 द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता भारत में लोवास्टेटिन का एकमात्र उत्पादक है और उसने दावा किया है कि वह संबद्ध वस्तु का विश्व में तीसरा उत्पादक है। याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक होने के कारण वर्तमान याचिका दायर करने के आधार की पुष्टि करता है और उपभोक्ता नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग बनता है।

ज. पाटन

सामान्य मूल्य

10. धारा 9(1)(ग) के अन्तर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

1. व्यापार के सामान्य रूप में मिलती-जुलती वस्तुओं का तुलनात्मक मूल्य जबकि यह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए हो, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या
2. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य रूप में मिलती-जुलती वस्तुओं की कोई बिक्री न हो, या निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा :—

- (क) निर्यातक देश या क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किए जाने पर मिलती-जुलती वस्तुओं का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा; या
- (ख) प्रशासनिक लागतों, बिक्री-लागतों और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित राशि जोड़ते हुए उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा;
बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से केवल वाहनान्तरित किया गया हो या निर्यात वाले देश में ऐसी वस्तु का उत्पाद नहीं किया जाता है या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है, तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

11. प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों को जांच से संगत सूचना और टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को भी पत्र लिखा तथापि, चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी निर्यातक ने सूचना के लिए किए गए प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया है।

12. भारत में संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक अथवा अन्य हितबद्ध पक्षों ने जांच शुरू करने संबंधी सूचना को कोई जवाब नहीं दिया है और न ही किसी हितबद्ध पक्ष ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कोई संगत सूचना भेजी है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे का किसी भी हितबद्ध पक्ष (पक्षों) ने खण्डन नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की है।

13. जांच शुरू करते समय सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन जनवादी गणराज्य से अन्य देशों को किए गए निर्यातों के आधार पर किया गया था। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उसी आधार पर विचार किया है।

14. याचिकाकर्ता ने इस बात के साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से लोवास्टेटिन का निर्यात नीचे दी गयी दरों पर किया गया है :

दिनांक	कीमत	आधार
	(अमरीकी डालर प्रति मी. टन)	
***	***	***
***	***	***

15. याचिकाकर्ता ने उपरोक्त कीमत में किसी कीमत के समायोजन का दावा नहीं किया है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने ऐसी कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है जिस पर कारखानागत आधार पर कीमत निर्धारण के लिए विश्वास किया जा सके। प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों से कोई सूचना उपलब्ध न होने की स्थिति में चीन जनवादी गणराज्य के अन्य देशों को किए गए उपरोक्त औसत निर्यात के आधार पर सामान्य मूल्य स्वीकार किया है।

16. इस प्रकार सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर निकलता है।

निर्यात कीमत

17. चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरू करने संबंधी सूचना का जवाब नहीं दिया है और न ही प्राधिकारी द्वारा मांगी गयी सूचना

भेजी है। आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों ने भी संगत सूचना नहीं भेजी है। इसलिए निर्यात कीमत याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर निकाली गई है।

18. याचिकाकर्ता ने निर्यात कीमत चीनी निर्यातों द्वारा भारतीय आयातों को दी गई भाव दरों के आधार पर प्रस्तुत की थी। चूंकि याचिकाकर्ता ने अनेक भाव दरें प्रस्तुत की हैं, अतः प्राधिकारी ने दी गई सभी भाव दरों में उल्लिखित औसत निर्यात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत निकाली है जिसकी प्रतियां याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत की हैं।

19. याचिकाकर्ता समेत किसी भी हितबद्ध पक्ष ने निर्यात कीमत में से किसी कीमत के समायोजन का दावा नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने भारत औसत निर्यात कीमत में किसी कीमत का समायोजन नहीं किया है।

20. तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था है :

“पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अन्तर में शामिल हैं—बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अन्तर जो कीमत तुलनीय को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।”

21. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का सहारा लिया गया है। उपरोक्त व्यौर के अनुसार सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया है :

22. पाटन मार्जिन निम्नानुसार बैठता है :

	यू एस डालर प्रति कि०ग्रा०	रुपए प्रति कि०ग्रा०
सामान्य मूल्य	5194.00	207760.00
निर्यात कीमत	3298.00	128622.00
पाटन मार्जिन	1896.00	73944.00

झ. क्षति

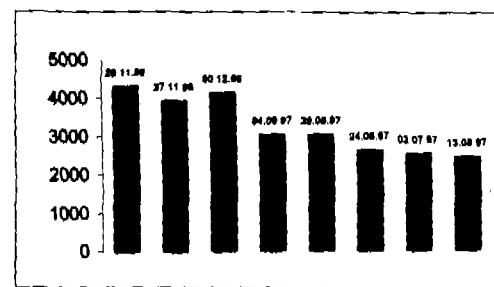
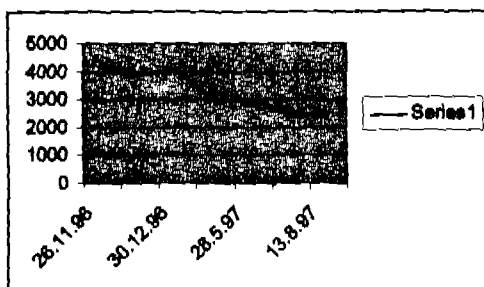
23. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध II के अनुसार जब क्षति के संबंध में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण करते समय पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं की घरेलू बाजार कीमतों पर इसके प्रभाव और उसके फलस्वरूप ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार किया जाता है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी जरूरी समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमतों की तुलना में पाटित आयात की वजह से कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्यथा किसी महत्वपूर्ण सीमा तक कीमतों में गिरावट आई है अथवा मूल्य वृद्धि पर रोक लगी है जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हुई होती।

24. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक-II (IV) के अनुसार प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, मात्रा तथा पाटन का मार्जिन इत्यादि।

25. घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत देने वाले विभिन्न मापदंड निम्नलिखित हैं :

(ख) चीन की निर्यात कीमत

26. चीन जनवादी गणराज्य के लोवास्टेटिन की सी०आई०एफ० निर्यात कीमत में तेजी से गिरावट आयी है जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ में दर्शाया गया है :



(ग) घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदंड

27. याचिकाकर्ता ने याणिष्यिक उत्पादन जुलाई, 1996 से शुरू किया। इसने 1996-97 को समाप्त नौ महीनों में 122 कि०ग्रा० का उत्पादन किया, परन्तु केवल 120 कि०ग्रा० की बिक्री कर सका जिससे 2 कि०ग्रा० का स्टॉक हो गया (मूल्य 3 लाख रु० से अधिक)। याचिकाकर्ता ने 1997-98 के पहले तीन महीनों में 47 कि०ग्रा० का उत्पादन किया परन्तु, 46.5 कि०ग्रा० की बिक्री कर सका जिससे 2.5 कि०ग्रा० का स्टॉक हो गया। हालांकि याचिकाकर्ता बहुत अधिक क्षमता रखता है तथापि उसके अतिरिक्त उपकरण संचालित नहीं किए गए थे। याचिकाकर्ता ने बिक्री कीमतें *** रु० प्रति कि०ग्रा० (1996-97) के औसत से तेजी से घटाकर जांच अवधि में *** रु० प्रति कि०ग्रा० (1997-98) तक कर दी। हालांकि, वर्ष 1996-97 की तुलना में जांच अवधि में वर्ष 1997-98 में याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत में गिरावट आयी तथापि बिक्री कीमतों में कमी उत्पादन लागत में आयी कमी की तुलना में काफी अधिक थी जिसके परिणामस्वरूप 1996-97 की तुलना में जांच अवधि में 1996-97 में अपेक्षाकृत अधिक घाटा हुआ।

28. अतः यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता अपने द्वारा अर्जित की गयी क्षमताओं का उपयोग करने में समर्थ नहीं था तथा वह अपनी उत्पादन लागत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ था। जिससे वित्तीय घाटा हुआ। अतः घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है।

अ. कार्यकारण संबंध

29. इस बात की पुष्टि करने के लिए कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है, प्राधिकारी ने यह माना है कि चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात कीमत में अत्यधिक कमी किए जाने से घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतों में कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिससे उसके वित्तीय घाटे में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग अपनी पूरी क्षमताओं का उपयोग करने में समर्थ नहीं था जिससे इसकी क्षमता उपयोग पर प्रभाव पड़ा। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है।

उ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

30. पाटनरोधी शुल्कों का सामान्यतौर पर उद्देश्य है ऐसे पाटन को समाप्त करना जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना जो कि देश के सामान्य हित में है।

31. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के क्रास को रोका जाए और इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहें। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

32. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए लोवास्टेटिन की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है।

ड. पहुंच मूल्य

33. पहुँच मूल्य का निर्धारण चीन जनवादी गणराज्य से लोवास्टेटिन की निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। इसका निर्धारण सीमा शुल्कों के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उतराई तथा दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभारों को जोड़ने के पश्चात् पाटन से संबंधित पैरा में उपरोक्त ब्याँरे के अनुसार किया गया है।

ख. निष्कर्ष :

34. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया है कि;

क. चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लोवास्टेटिन का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है;

ख. भारतीय उद्योग में वास्तविक क्षति हुई है;

ग. क्षति संचयी रूप से संबंधित देश से आयातों के कारण हुई है।

35. यह आवश्यक समझा गया है कि अंतिम रूप से निर्धारण होने तक संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लोवास्टेटिन के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

36. इस बात पर विचार किया गया था कि क्या पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए निर्यातों की पहुँच कीमत की तुलना जी० वी० अर्वाइज के लिए निर्धारित की गयी घरेलू उद्योगों की उचित बिक्री कीमत से की गई थी। जहाँ यह अन्तर पाटन मार्जिन से कम था, वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

37. पाटनरोधी शुल्क 191869 रुपए तथा आयातों को प्रति मी. किलो पहुँच कीमत के बीच का अन्तर होगा जो अधिकतम 73944 रु. प्रति किलो तक होगा।

38. इस उद्देश्य के लिए निर्यातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 तथा 3क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्कों का निर्धारणीय मूल्य होगा।

ण. आगे की प्रक्रिया

39. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किए जाने के पश्चात् निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा;

क. प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर सभी हितबद्ध पक्षों की टिप्पणियाँ मांगेंगे तथा अंतिम निष्कर्षों में इन पर विचार किया जाएगा;

ख. प्राधिकारी जितनी सीमा तक उचित समझेंगे उतनी सीमा तक सत्यापन करेंगे। इस स्तर पर कोई नया साक्ष्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ग. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक अनुरोध के लिए अवसर प्रदान करेंगे जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षों को तारीख और समय के बारे में अलग से सूचित किया जाएगा;

घ. प्राधिकारी अंतिम निष्कर्ष घोषित करने से पहले आवश्यक तथ्य प्रकट करेंगे।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE
(Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd September, 1998

Preliminary Findings

Subject : Anti dumping investigation concerning imports of Lovastatin-Preliminary Findings.

11/1/97/ADD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collections of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

A. PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigations :

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s. Artemis Pharmaceuticals Limited, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Lovastatin, originating in or exported from the People's Republic of China (referred to as China PR hereinafter);
- ii. The Authority, on the basis of sufficient evidence furnished by the petitioner, decided to initiate investigations against imports of Lovastatin from China PR. The Authority notified the Embassy of China PR about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rules 5 (5) of the Rules,
- iii. The Authority issued a public notice dated 22nd Dec., 1997 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of Lovastatin, classified under custom sub-headings 2941.90 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from China PR;
- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporter (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of Lovastatin in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Lovastatin for the past three years, including the period of investigations.
- vii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporter and the Embassy of China PR in accordance with rules 6(3) supra;

- viii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to M/s. Wenzhou Kanlong Pharmacy Company Limited, China, the known exporter from China PR, in accordance with Rule 6(4). No information was, however, received from any exporter from China PR;
- ix. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassy, along with a list of known exporter/producer;
- x. A questionnaire was sent to the following known importers of Lovastatin in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4).
- a) M/s. Sun Pharmaceuticals Industries Limited, Mumbai
 - b) M/s. Torrent Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad
 - c) M/s. Glenmark Pharmaceuticals Limited, Mumbai
 - d) M/s. Micro Labs. Limited, Bangalore
 - e) M/s. Cadila Healthcare Pvt. Ltd., Ahmedabad
 - f) M/s. Searle (India) Limited, Navi Mumbai
 - g) M/s. Wockhardt Limited, Mumbai
 - h) M/s. Intas Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad
 - i) M/s. Blue Cross Labs. Limited, Mumbai
 - j) M/s. Medley Labs. Pvt. Ltd., Mumbai
- No information was, however, filed by any importer.
- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry;
- xiv. Investigation was carried out for the period from starting 1st July 1996 to 30th June 1997.

B. PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner has raised the following issues in its petition:

i) On Dumping:

- a) There are only three producers of Lovastatin in the world.
- b) The dumping is originating from the producer of Lovastatin in China PR. Chinese producer is offering the material at throw away prices in order to capture the Indian Market.
- c) Chinese producer is exporting Lovastatin to various European countries at more than US \$ 6000 per kg., while the same Lovastatin is being exported to India at prices between US \$ 3100 to 4100 per Kg.

- d) Chinese producer is continuously reducing price in Indian market while maintaining the price in the European Market. The prices offered by the exporters from China PR are unrelated to its cost of production. The prices in the Indian market have been continuously reduced as is evident from the following:

Date of Quotation	Price Quoted (US \$ per MT)	Price Basis
26.11.96	4300	CIF by air, L/C at site
27.11.96.1	3900	CIF by air, L/C at site
30.12.96	4100	CIF by air, L/C at site
04.03.97	3000	CIF by air, L/C 90 days
28.05.97	3000	CIF by air, L/C at site
24.06.97	2490	CIF by air, 90 days D/A
13.08.97	2400	CIF by air, L/C 90 days

The above establish that Lovastatin is being dumped in India.

ii) On injury:

The petitioner has suffered injury as seen from the following:

- The Imports of Lovastatin from China PR increased from nil up to 1995-96 to 1400 Kg. in 1996-97 and 525 Kg. (April – July, 1996) in 1997-98.
- Though the consumption of Lovastatin in India has been growing over the years, the petitioner has been forced to reduce its production.
- Artemis has been forced to reduce its prices in the Indian market in view of reduction in the prices by the Chinese exporter.
- The Chinese producer is trying to keep Artemis out of business to create his monopoly.
- Sales of the petitioner have drastically declined.
- The selling prices of the petitioner are based on cost of production, in spite of which the petitioner is not able to compete with the prices offered by the exporter from China PR. Selling prices of the petitioner include on element of sales tax on raw materials, other inputs and finished goods, whereas the imports from China PR do not have to bear this cost.
- The petitioner has not been able to earn any return on capital.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

- None of the interested parties from China PR has responded to the notice of initiation nor any other interested party has offered any comment,

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

- The submissions made by the petitioner have been examined, considered and have been dealt at appropriate places hereinafter.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND SCOPE OF INVESTIGATIONS

- The product considered in the present investigations is Lovastatin originating or exported from China PR. Lovastatin is a bulk drug and is used for controlling

Cholesterol level. It reduces the risk of Coronary Heart disease and Cardiac failure. Lovastatin is not substitutable with any other material.

6. Lovastatin is produced by fermentation process. Major inputs used for its production are Lactose, Dextrose, Ethyl Acetate and Yeast Extract Liquid.
7. Lovastatin is classified under custom sub-heading 2941.90 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 and under 2941.90.00 of International Trade Classification. The manufacturing process, function & uses and tariff classification indicated herein are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigations.

F. LIKE ARTICLES

8. The petitioner has claimed that the Lovastatin produced by it has characteristics closely resembling to the Lovastatin imported from China PR and the two are consumed interchangeably. None of the interested parties have disputed the claim of the petitioner. In order to analyse that the Lovastatin produced by the domestic industry is a like article to the Lovastatin exported from China PR, characteristics such as physical characteristics (size, chemical composition, raw material), manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods have been considered. Lovastatin produced by the domestic industry has characteristics closely resembling to the Lovastatin originating in or exported from China PR. The authority therefore, holds that the Lovastatin produced by the petitioner is a like article to the Lovastatin imported from China PR within the meaning of Rule 2(d).

G. DOMESTIC INDUSTRY

9. The petition has been filed by M/S. Artemis Pharmaceuticals Limited, Jeedimala, Hyderabad-500082. The petitioner is the only producer of Lovastatin in India and has claimed that it is the third producer of the subject goods in the world. The petitioner being the sole producer of the subject goods satisfies the standing to file the present petition and constitutes the domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

H. DUMPING

Normal value:

10. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:
 - (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6).

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin

11. The Authority provided opportunity to the exporters from China PR to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of China PR in India also. However, none of the exporter from China PR has responded to the Authority's request for information.
12. None of the importers of the subject goods in India or other interested parties has responded to the notice of initiation of investigations nor has any interested party furnished any information relevant for determination of normal value. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by any interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.
13. The normal value was determined at the time of initiation on the basis of exports from China PR to third countries. The Authority has considered the same basis for determination of normal value.
14. The petitioner has furnished evidence that Lovastatin has been exported from China PR at the rates given below:

Date	Price (US \$ pmt)	Basis
***	***	***
***	***	***

15. The petitioner has not claimed any price adjustment in the above price. None of the interested parties have furnished any information which can be relied upon for determining price on ex-works basis. The Authority has adopted normal value based on the average of the above mentioned export price from China PR to other countries in the absence of any information from the exporters from China PR.
16. The normal value thus works out to US \$ ***.
- Export price:**
17. None of the exporters from China PR has responded to the notice of initiation and furnished information requested by the Authority. The importers and other interested parties have also not furnished relevant information. The export price has, therefore, been worked out on the basis of information furnished by the petitioner.
18. The petitioner had furnished export price on the basis of quotations of Chinese exporters to Indian importers. Since the petitioner has furnished a number of quotations, the Authority has worked out export price on the basis of average of the export price mentioned in all the quotations, copies of which have been furnished by the petitioner.
19. None of the interested parties, including petitioner, have claimed any price adjustment from the export price. The Authority has, therefore, not made any price adjustment in the weighted average export price.

20. The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

21. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the information furnished by the petitioner has been relied upon. The normal value and export price determined, as detailed above, has been considered as at ex-works levels.
22. The dumping margin comes to 57.48%.

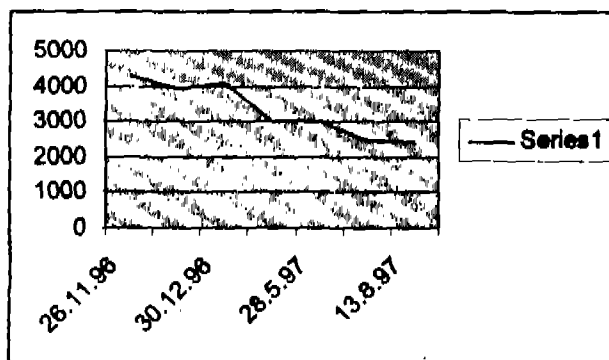
INJURY

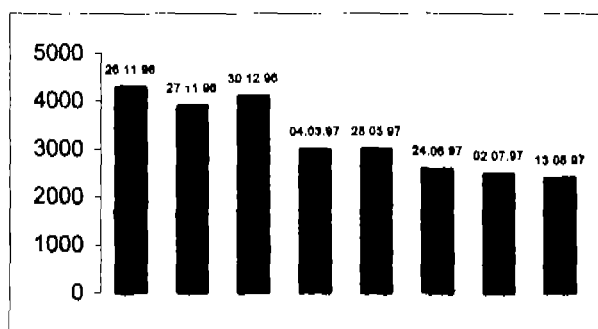
23. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
24. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
25. Various parameters indicating injury to the domestic industry are as follows:

- (a) Export price from China:

26. CIF export price of Lovastatin from China PR declined steeply as shown in the graph below:

A





(b) Economic parameters affecting domestic industry

27. The petitioner commenced commercial production from July, 1996. It produced 122 kgs in the nine months ending 1996-97, but could sell only 120 kgs resulting in 2 kgs stocks (valued above Rs. 3 lacs). The petitioner produced 47 kgs in the first three months of 1997-98, but could sell 46.5 kgs, resulting in a stock of 2.5 kgs. Though the petitioner holds substantially higher capacity, the additional equipment held was not made operational. The petitioner reduced selling prices steeply from an average of Rs. ***** per kg (1996-97) to Rs. ***** per kg (1997-98) in the investigation period. Though the cost of production of the petitioner also declined in 1997-98 as compared to 1996-97 in the investigation period, the reduction in the selling price was much more than the reduction in the cost of production resulting in much higher losses in the 1997-98 as compared to 1996-97 in the investigation period.
28. It is thus seen that the petitioner was not able to utilise the capacities acquired by it and was forced to sell below its cost of production resulting in financial losses. The domestic industry has thus suffered material injury from dumped imports.

J. CAUSAL LINK:

29. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that steep decline in the export price from China PR forced the domestic industry to reduce its selling prices, resulting in increase in financial losses to it. Further, the domestic industry was not able to operationalise its full capacities affecting its capacity utilisation. The domestic industry thus suffered material injury from dumped imports.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

30. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
31. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the

domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

32. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of Lovastatin in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

L. LANDED VALUE:

33. The landed value has been determined on the basis of export price of Lovastatin from China PR, determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

M. CONCLUSIONS:

34. It is seen, after considering the foregoing, that:
- a. Lovastatin originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
 - b. The Indian industry has suffered material injury,
 - c. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.
35. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Lovastatin originating in or exported from the subject country, pending investigations.
36. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed price of the imports, for the purpose, was compared with the reasonable selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended.
37. The anti-dumping duty shall be the difference between Rs. 191869 per kg. and the landed price of imports per kg, subject to a maximum of Rs. 73944 per kg.
38. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A and 9 of the Customs Tariff Act, 1975.

N. FURTHER PROCEDURE:

39. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:
- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
 - b. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary. No fresh evidence will be accepted at this stage;

- c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

